दिनांक 12 सितम्बर 2017 को जैप-1 परिसर, राँची में झारखण्ड राज्य पुलिस डियूटी मीट-2017 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण

मुझे झारखण्ड राज्य पुलिस डियूटी मीट-2017 के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करती हूँ तथा उन्हें बधाई देती हूँ। आशा है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागीगण अपने-अपने कौशल का भरपूर प्रदर्शन कर पूरे कार्यक्रम को सफल बनायेंगे।

पुलिस प्रशासन के समक्ष राज्य में विधि-व्यवस्था बनाये रखने की अहम चुनौती रहती है। पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सदैव समर्पित भाव से तत्पर रहना होता है। ऐसे में इस प्रकार की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना एक गौरव की बात है।

मैं इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों से कहना चाहूँगी कि राज्य की प्रगति विधि-व्यवस्था सामान्य रहने तथा नागरिकों में शांति एवं सुरक्षा का अहसास होने पर निर्भर करती है। इसलिए पुलिस प्रशासन को हर परिस्थिति में अपना कार्य पूर्णतः ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ करना चाहिये। जनता का विश्वास हासिल करने के लिए आसूचनातंत्र को और सुदृढ़ करना

होगा। पुलिस का संवेदनशील होना अति आवश्यक है। इससे जनता एवं पुलिस के बीच की दूरियों को कम किया जा सकता है। हमारे पुलिसकर्मी जनता से न केवल सदैव शालीनता से बात करें, बल्कि उनकी शिकायतों को दर्ज करते हुए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से उनका निबटारा करें, ताकि राज्य के सभी नागरिक सुरक्षित महसूस करें, भय का किसी भी प्रकार का वातावरण न हों।

अपराध पर नियंत्रण की दिशा में अनुसंधान की प्रक्रिया को और अधिक professional बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान कार्यों में अपनाई जा रही नई तकनीक एवं वैज्ञानिक तरीकों को और व्यापक रूप में झारखण्ड पुलिस द्वारा अपनाना जाना चाहिये। अपराधी जल्द-से-जल्द पुलिस हिरासत में हो तथा उसके विरूद्ध कानून-सम्मत कार्रवाई की जा सके, ऐसी प्रभावी कोशिश हो। वर्त्तमान में देखा गया है कि पुलिस को किसी मामले के निष्पादन में शीघ्र सफलता हासिल होने पर जनता भी खुले दिल से उनकी सराहना करती हैं एवं यदि पीड़ित को समय पर इन्साफ न मिले तो आलोचना भी होती है। लोगों का विश्वास अर्जित कर ही राज्य की विधि-व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

इस प्रतियोगिता में शामिल सभी पुलिस कर्मियों से मैं उम्मीद करती हूँ कि इस प्रतियोगिता में जो भी वे सीखेंगे उसका उपयोग अनुसंधान कार्यों में करने का प्रयास करेंगे। आज पुलिस के समक्ष अनेक समस्यायें, जैसे- नक्सल, आतंकवाद एवं सामाजिक अपराध हैं। इन सभी प्रकार के अपराधों पर नियंत्रण अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधारों से किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर

पर अनुसंधान कार्यो में अपनाई जा रही नई तकनीकी एवं वैज्ञानिक तरीकों को भी हमें अपनाना चाहिए। आज के समय में Cyber Crime की घटनायें भी अधिक संख्या में घटित हो रहा है। इन घटनाओं को रोकने हेतु हमारी पुलिस बल पूरी तत्परता से काम करें। अनुसंधान की दिशा में उन्हें अधिक प्रशिक्षित करने का भी कार्य हो। जब अपराधी शीघ्र गिरफ्त में आने लगेंगे, तो अपराधियों में भय का माहौल होगा। ऐसे में अपराध पर लगाम लगाई जा सकती है, जो कि राज्य की प्रगति के लिए अत्यन्त आवश्यक है। राज्य में हर हाल में शान्ति–व्यवस्था कायम रहे, इसके लिए पूरा पुलिस महकमा सदैव तत्परता एवं समर्पित भाव से कार्य करें। पुलिस से सभी को बहुत ही अपेक्षायें हैं। लोग उन्हें अपनी सुरक्षा का मजबूत कड़ी मानते हैं। इसलिए हमारे कोई भी पुलिसकर्मी जनता के इस विश्वास को न तोड़े।

इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि पुलिस प्रशासन Information Network को और मजबूत करने की दिशा में ध्यान दे। लोगों से अधिक से अधिक संवाद कायम करे, Police-Public सहयोग की भावना को और विकसित करें, ताकि अपराधियों के विरूद्ध हमें जनता का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो सके।

एक बार पुनः मैं अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित इस पुलिस डियूटी मीट में भाग लेनेवाली सभी टीमों को अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ।

जय हिन्द!  जय झारखण्ड!